श्री दुबे नामक उच्च श्रेणी रेल कंडक्टर पर घातक हमला

1368. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोटा (राजस्थान) में 11 अक्तूबर, 1971 को श्री दुबे नामक उच्च श्रेणी रेल कंडक्टर पर किए गए घातक हमले के सम्बन्ध में श्रीमती दुबे और टिकट चैकिंग स्टाफ, वैस्टर्न रेलवे के जनरल सेक्रेटरी से रेलवे पुलिस अधिकारी, कोटा, और कोटा के कलेक्टर के विरुद्ध सरकार को कोई शिकायत प्राप्त हुई है,

(ख) क्या इस घटना को लेकर रेल कर्मचारियों ने हड़ताल की थी, और

(ग) जिन अधिकारियों के विरुद्ध शिकायत की गई थी उनके खिलाफ सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) (क) जी हां, इस सम्बन्ध में श्रीमती दुबे से एक शिकायत तथा कोटा के रेलवे टिकट चैकिंग स्टाफ एसोसिएशन द्वारा पारित एक प्रस्ताव मिले है ।

(ख) जी नहीं । लेकिन इसके विरोध में कोटा और रतलाम के टिकट जाँच कर्मचारियों ने 12-10-1971 को सामूहिक रूप से अपने बीमार होने की रिपोर्ट कर दी थी ।

(ग) इस घटना की पुलिस द्वारा जाच की जा रही है । इस बीच श्री एम० एस० शर्मा, थाना अधिकारी, सरकारी रेलवे पुलिस, कोटा और श्री जी० एस० गौर, चल टिकट परीक्षक, कोटा को कोटा से स्थानान्तरित करने के आदेश पारित कर दिये गये है ।

रेलवे द्वारा सीमेंट कंक्रीट स्लीपरों का उपयोग

1369. **श्री भागीरथ भंवर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय ने सीमेंट कंक्रीट के स्लीपर बनाने का निर्णय कब किया और ये स्लीपर अब तक कहां कहां और कितने कितने बनाये गये हैं,

(ख) जब से ऐसे स्लीपरों के उत्पादन का कार्य हाथ में लिया गया तब से उनके पास उत्पादन पर वर्ष-वार कितनी राशि व्यय की गई,

(ग) क्या भुसावल गोडाउन के निकट और लोनावाला में गत कई वर्षों से लाखों की तादाद में ये ककरीट के स्लीपर बेकार पड़े हुये है,

(घ) रेलवे में किन किन डिजाइनों में अभी तक उक्त स्लीपरों का उपयोग किया जा रहा है, और

(ङ) क्या लोहे और लकड़ी के स्लीपरों की तुलना में सीमेंट के स्लीपर अधिक सस्ते और टिकाऊ होते है ?

रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया) (क) 1963 में रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलों में इस्तेमाल के लिए कंक्रीट स्लीपर बनाने का विनिश्चय किया था । अब तक निम्नलिखित स्थानों पर स्लीपरों का निर्माण किया गया है —

स्थान	संख्या
लोनावला	600
* झांसी (करारी)	5000
**दिल्ली	2500
* गया (मानपुर)	3000
* बम्बई	13000
दक्षिण रेलवे (तिरुवल्लूर)	200

*कारखाने निजी क्षेत्र में हैं ।

**कारखाना निर्माण और आवास मंत्रालय के अधीन है ।

(ख) रेल मन्त्रालय ने केवल परीक्षा के प्रयोजन के लिए लोनावला के अपने कारखानो 600 मे स्लीपर और तिरुवल्लुर मे 200 स्लीपर बनाये है। इन स्लीपरो के निर्माण पर वर्ष-वार अनुमानित लागत इस प्रकार रही.—

66-67	68-69
42,000 रुपये	16,000 रुपये

बाकी के कक्रीट स्लीपर व्यापारियो से खुले टेंडर मगाकर खरीदे जा रहे है। इस तरह के स्लीपरो के उत्पादन पर उनकी क्या लागत आती है, इसकी जानकारी रेलो को नही है।

(ग) जी नही।

(घ) अब तक कक्रीट स्लीपरो का उपयोग मध्य रेलवे के बम्बई और झासी मण्डलो मे, उत्तर रेलवे के दिल्ली मण्डल मे, पूर्व रेलवे के धनबाद मण्डल मे और दक्षिण रेलवे के मद्रास मडल मे किया गया है। भारतीय रेलो के बडी लाइन के सभी मुख्य मार्गो और अधिक रफ्तार वाली लाइनो पर, कही कही स्थिति को देखत हुए सम्भव होगा, कक्रीट स्लीपरो का उपयोग करने का विचार है।

(ड) अन्य किस्म के स्लीपरो की अपेक्षा कक्रीट के स्लीपरो की प्रारम्भिक अधिक है लेकिन ये अधिक टिकाऊ है।

Overbridge at Railway Crossing at Chatapathar

1370 SHRI ROBIN SEN Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether there is any plan to cons truct an overrbidge at Railway crossing, Chatapathar near Asansol, West Bengal, and

(b) if so, when the construction work is likely to be started ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI K HANUMANTHAIYA) (a) Yes

(b) The proposal has been approved for inclusion in Eastern Railway's Preliminary Works Programme for 1972-73, and the work if finally approved will be started in 1972-73

Shortage of Artificial Silk Yarn

1371 SHRI AMARNATH VIDYALANKAR Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state

(a) whether Government have taken notice of the presistent shortage of artificial silk yarn in the country that has hit hard the industry,

(b) the step being taken to enhance production with a view to fighting the shortage problem,

(c) whether any price control measures are contemplated to meet the needs of the actual consumers, and

(d) whether any steps are being taken to remove the middle men and to ensure the supply to actual users?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE SHRI A C GEORGE) (a) Yes, Sir

(b) Keeping in view the targets recommended for different types of man-made fibre/yarn for the IV Plan period, the Government is taking suitable steps for creating further capacity by way of grant of Letters of Intent and Industrial licences, leading to enhanced production

(c) No proposal is under consideration at present for imposing any price control

(d) Under the voluntary agreements between the spinners and the weavers of rayon yarn and nylon yarn, the actual users get their supplies from the spinners at fixed prices Therefore, the question of removing any middle man does not arise

Consideration of Running Allowance for reduction of House Rent

1372 SHRI PRAVINSINGH SOLANKI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to refer to the reply given to